newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ९ | २० से २६ मार्च २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

दकियानूसी परिवारों में कैद

बहुत सारे सुलझे हुए परिवार अपनी बेटियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। उन्हें अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाते हैं। मगर विवाह के बाद अगर वे ऐसे दकियानूसी परिवारों में कैद होकर घुटने लगती हैं, तो उनकी शिक्षा और सोच-समझ, काबिलियत का कोई मोल नहीं रह जाता। दुनिया के बेशक सिकुड़ कर एक गांव में बदल जाने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रहन-सहन आदि मामलों में आधुनिक सोच आने का दावा किया जा रहा हो, पर हकीकत यह है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी कई मामलों में संकीर्ण मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया है। खासकर महिलाओं के मामले में पुरुष सत्ता का हिंसक बर्ताव आधुनिक माने जाने वाले तबकों में भी देखा जाता है। किसी दूसरी जाति के लड़के से विवाह करने पर इज्जत के नाम पर लड़की की हत्या कर दी जाती है। आज भी बहुत सारे लोग अपनी बहुओं को परदे में ही रखना चाहते हैं, उन्हें नौकरी आदि करने की इजाजत नहीं होती। ऐसा ही ताजा मामला दिल्ली का है, जिसमें एक ससुर ने अपनी बहू के सिर पर ईंट से मार कर उसे इसलिए घायल कर दिया कि वह किसी नौकरी के लिए साक्षात्कार देने जा रही थी। ससुर नहीं चाहता था कि उसकी बहू नौकरी करे। इसे लेकर दोनों के बीच पहले भी काफी बहस हुई थी, मगर बहू जिद करके साक्षात्कार के लिए निकल पड़ी। वह नौकरी करके परिवार को सहारा देना चाहती थी। मगर ससुर को यह रास नहीं आया। उसके हमले से बहू गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह कोई पहला मामला नहीं है। आज भी ग्रामीण इलाकों और कुछ सामंती मिजाज के परिवारों में बहुओं को घर की चारदीवारी में, परदे के पीछे ही कैद रखने का प्रयास किया जाता है। उनका घर से बाहर निकल कर कहीं नौकरी करने जाना अच्छा नहीं माना जाता। कई परिवारों में तो विवाह से पहले ही करार कर लिया जाता है कि उनकी बहू घर में ही रहेगी, नौकरी नहीं करेगी। इस तरह बहुत सारी लड़कियां पढ़-लिख कर भी अपनी इच्छा के मुताबिक काम का चुनाव नहीं कर पातीं। विचित्र है कि इसमें उनके पति भी अपने माता-पिता का साथ देते हैं। फिर यह सवाल भयावह रूप से हमारे समाज में सिर उठाता है कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसे नारे कहां तक सार्थक हो पाएंगे। लड़कियों को लड़कों के बराबर अधिकार देने की वकालत की जाती है। बहुत सारे सुलझे हुए परिवार अपनी बेटियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। उन्हें अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाते हैं। मगर विवाह के बाद अगर वे ऐसे दकियानूसी परिवारों में कैद होकर घुटने लगती हैं, तो उनकी शिक्षा और सोच-समझ, काबिलियत का कोई मोल नहीं रह जाता। इस तरह ताजा घटना में जिस ससुर ने अपनी बहू को ईंट मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, उसे उसकी पढ़ाई-लिखाई और सामाजिक परिवेश की दृष्टि से पिछड़ा तो कह सकते हैं। मगर यह दकियानूसी सोच केवल तथाकथित कम पढ़े-लिखे और पिछड़े समाजों में नहीं है। कई मामलों में अत्यंत निचला माने जाने वाले तबके की महिलाएं कामकाज के मामले में कुछ अधिक स्वतंत्र हैं। वे घर से निकल कर मजदूरी करने, दुकान चलाने या घरों-दफ्तरों आदि में काम करने जाती हैं। मगर विचित्र है कि दिल्ली जैसे अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले शहर में भी ऐसी संकीर्ण सोच के लोग आज भी मौजूद हैं, जो अपनी बहू-बेटियों को घर की चारदीवारी में कैद करके उन्हें घुटने पर मजबूर करते हैं। यह घटना एक बार फिर से इस पहलू पर सोचने को विवश करती है कि आखिर बहू-बेटियों को लेकर हमारे समाज के बड़े हिस्से का मानस ऐसा संकुचित क्यों बना हुआ है।

मनपा के बजट से जनता को मिली राहत

जेकेएस संवाददाता

भायंदर . मीरा-भायंदर मनपा का बजट उम्मीद के विपरीत आया है. बजट में न कोई नया कर और न ही किसी पूर्ववर्ती कर या शुल्क में बढोत्तरी की गई है.जबकि पहले संपत्ति कर में भारी-भरकम बढोत्तरी का अंदेशा था.मौजूदा वित्तीय वर्ष के बजट से नए वित्तीय वर्ष का बजट १९.४८ % ज्यादा है. वर्ष २०२२- २३ का प्रशासनिक बजट १८१७ करोड. था,जबकि वर्ष २०२३-२४ का बजट २१७४ करोड. रुपये से अधिक और २५ लाख रुपये मुनापेक्ष वाला है.बजट को लोकाभिमुख बनाने की कोशिश की गई है. प्रशासक दिलीप ढोले ने सोमवार को बजट पेश किया.यह बजट उनका दूसरा तथा प्रशासक राज का पहला बजट है. इस मौके पर मुख्य व उप वित्त व लेखाधिकारी कालिदास जाधव व अजित कुलकर्णी उपस्थित थे. प्रेसवार्ता के दौरान प्रशासक ढोले ने कहा कि कोरोना महामारी से लोगों की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है,ऐसे में कर का बोझ बढाना उचित नहीं था पार्किंग,अनुज्ञप्ति,होर्डिंग की संख्या बढाकर तथा १०० फीसदी संपत्तियों को कर के दायरे में लाकर आमदनी बढाने पर जोर दिया जाएगा.

आमदनी के मुख्य स्त्रोत

जीएसटी अनुदान से २८० करोड.रुपया , सम्पति कर से १२३.४२ करोड. रुपया , इमारत विकास कर से २०० करोड.रुपया , रास्ता क्षतिपूर्ति शुल्क से ११० करोड.रुपया , जलापूर्ति, मल-जल नि:सारण से ४१९ करोड.रुपये , कर्ज से ४३३ करोड.रुपया , अनुदान से २९९.४३ करोड.रुपये

अपेक्षित खर्च

वेतन पर १९७ करोड.रुपये , स्वास्थ्य,वार्ड सफाई पर २०१.६० करोड.रुपये ,

शेष पृष्ठ २ पर

प्लास्टिक के अंडों में दारु का कारोबार, आरोपी गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

पालघर : पालघर में प्लास्टिक के अंडों की आड़ में अवैध शराब की तस्करी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पालघर के आबकारी विभाग ने मनोर वाड़ा मार्ग पर स्थित वाघोटे टोल नाके पर एक टेंपो को पकड़कर अवैध शराब सहित १८ लाख ३ हजार रुपए का माल जब्त किया है। अंडे की आड़ में दमन की प्रतिबंधित शराब की तस्करी की जा रही थी। हैरानी की बात यह है कि टेंपो में ५६० प्लास्टिक के अंडे की ट्रे लगाई गई थी, ताकि कोई टेंपो के अंदर रखी शराब पर ध्यान न दे सके। इन ५६० एग ट्रे से १६,८०० प्लास्टिक के अंडे भी जब्त किए गए। इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी टेंपो चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अन्य फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश आबकारी विभाग की टीम कर रही है। अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि शराब के साथ ले जाए गए इन प्लास्टिक के अंडों को किस इलाके में बेचा जा रहा था। गौरतलब हो कि पालघर में बड़े पैमाने पर नकली अंडों के मिलने से लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। कृत्रिम या प्लास्टिक के अंडे खाना किसी भी इंसान के लिए खतरनाक हो सकता है। ये अंडे अलग-अलग तरह के केमिकल कंपाउंड से मिलकर बने होते हैं। सिंथेटिक अंडों से प्रोटीन नहीं मिलता, बल्कि आपका पेट खराब हो सकता है तथा नकली अंडों से लोगों की सेहत बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

फिटनेस भत्ते में पुलिस कर्मियों की उठी मांग

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : पुलिस वालों की बिगड़ती फिटनेस नई चिंता सबब बना हुआ। पुलिस का स्वास्थ्य बेहतर रहे और उनकी फिटनेस बरकरार रहे इसलिए सरकार की ओर से २५० रुपए तंदुरुस्ती भत्ता पुलिस कर्मियों को दिया जाता है। इतनी महंगाई में इतना कम तंदुरुस्ती भत्ता दिए जाने से पुलिसकर्मी अर्थिक रूप से परेशान हैं। अब पुलिस ने यह मांग की है कि उनके तंदुरुस्ती भत्ते में इजाफा किया जाए। उनका कहना है कि यदि इतना कम तंदुरुस्ती भत्ता दिया जाएगा, तो पुलिस अनफिट हो जाएगी और उनका पेट बाहर आना निश्चित है। बता दें कि पुलिस बल के कर्मचारियों को मात्र ढाई सौ रुपए प्रति माह फिटनेस भत्ता दिया जाता है। इस ढाई सौ रुपए में आज क्या मिलता है ? यह सभी को मालूम है। पुलिस ने मांग की है कि इसे बढ़ाकर कम से कम ३००० रुपए किया जाए तो वे अपनी फिटनेस को बेहतर बनाने के लिए कदम उठा सकते हैं। आज इतनी महंगाई में नाश्ता करने पर भी सौ रुपए आसानी से खर्च हो जाते हैं। ऐसा सवाल उठाया जा रहा है कि ढाई सौ रुपए में एक माह की स्वास्थ्य सेवा वैसे ली जा सकती है। पुलिस को फिट रखने के लिए २००५ में शुरू किए गए फिटनेस भत्ते में पिछले १५ वर्षों से कोई बढोतरी नहीं की गई। भत्ता कम होता है, लेकिन इसे हासिल करने के लिए पुलिस को काफी दस्तावेज सबमिट करने पड़ते हैं। इसमें बॉडी मास इंडेक्स की तरह ऊंचाई और वजन की तालिका होती है। अपने स्वास्थ्य संबंधी दस्तावेजों को सबमिट कर इस फिटनेस भत्ते को पाया जाता है।

अवैध बैंक खाते खोलकर लाखों का किया घपला, आरोपियों के खिलाफ कडी कारवाई की मांग

मुंबई: एक जांच में पाया गया है कि जे जे अस्पताल के ग्रांट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के ११ विभागों के प्रमुखों ने संबंधित विभागों के नाम पर अवैध बैंक खाते खोले और उससे लेनदेने किया। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि इन खातों में ६ करोड.रुपये की राशि जमा की गई और इसका लगभग आधा हिस्सा बिना अनुमति के विदेश यात्राओं जैसे खर्चों के लिए इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ एक महीने के भीतर कडी कार्रवाई की जाएगी। गिरीश महाजन शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा में उठाए गए सवालों का जवाब दे रहे थे। दरअसल यह मामला २०१८ का है जब एक आरटीआई कार्यकर्ता मयूर साल्वी

शेष पृष्ठ २ पर

रईस हुसैन हत्या मामले में आरोपी अहमद को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर : क्राइम ब्रांच युनिट १ ने सात साल पुराने हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी अहमद सिद्दकी (४१ वर्ष) को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी । एक आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई । क्राइम ब्रांच के पीआई अविराज कुराडे के नेतृत्व में पुलिस ने इस वांछित आरोपी को पकडा है। यह मामला जुलाई २०१६ का है। नया नगर पुलिस में चारों लोगों ने मिलकर रईस रोशन अनवर हुसैन की हत्या कर दी थी। आपसी रंजिश के चलते हुसैन का मर्डर हुआ था। इस मामले को सुलझाने में क्राइम ब्रांच के पुलिस अधिकारी कैलाश टोकले, संजय पाटिल, प्रशांत विसपुते और पुष्पेंद्र थापा का योगदान रहा।

अपराधियों पर शिंकजा कसने के लिए नए पुलिस स्टेशन का हुआ शुभारंभ

जेकेएस संवाददाता

वसई। महाराष्ट्र पुलिस महासंचालक रजनीश सेठ ने नायगांव पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया। वालीव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत बढ़ती जनसंख्या तथा उसके अनुरूप बढ़ते अपराधों को देखते हुए इस नए पुलिस स्टेशन का निर्माण किया गया है। इस नए पुलिस स्टेशन के साथ मीरा भायंदर पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कुल १७ पुलिस स्टेशन हो गए हैं।वालीव पुलिस स्टेशन की सीमा को बांटकर बने इस नए पुलिस स्टेशन के चलते अपराध और अपराधियों पर लगाम लगने की संभावना जताई जा रही है। उद्घाटन समारोह के अवसर पर आज पुलिस महासंचालक के अलावा सांसद राजेंद्र गावित, पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे, अप्पर पुलिस आयुक्त श्रीकांत पाठक, पुलिस उपायुक्त अविनाश अंबुरे, प्रकाश गायकवाड, सुहास बावचे, श्रीमती पूर्णिमा चौगुले समेत अनेक पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

टार्जन बार पर पुलिस का छापा, डांस की आड में पैसों की बारिश

भायंदर। भायंदर पूर्व की नवघर पुलिस ने फाटक रोड स्थित टार्जन आर्केस्ट्रा बार पर छापा मारकर ७ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बार के कैसियर, मैनेजर तथा ग्राहकों का समावेश है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवघर पुलिस स्टेशन के निरीक्षक सुशील कुमार शिंदे को गुप्त जानकारी मिली कि फाटक रोड स्थित टार्जन बार में आर्केस्ट्रा की आड.में लडकियों से डांस कराया जाता है तथा ग्राहकों द्वारा उन पर पैसे की बारिश की जाती है। वक्त सूचना के बाद पुलिस ने फर्जी ग्राहक भेजकर तहकीकात की तो वहां उपस्थित लडकियों में एक लडक़ी नीचे उतर कर डांस कर रही थी। फर्जी ग्राहक ने उसका वीडियो बनाकर पुलिस को सूचित किया। नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक मिलिंद देसाई के मार्गदर्शन में पुलिस ने छापा मारकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में बाढ.के मैनेजर दोरई राज, कैसियर संतोष आनंद शेट्टी तथा ग्राहक रंजीत लालकृष्ण यादव , राकेश महावीर यादव संतु कुमार विराजर यादव, शंकर शुभा बांगेरा भावेश नरेश चव्हाण का समावेश है।

लालच के चक्कर में आकर प्रशांत पहुंचा सखोलों के पिछे

जेकेएस संवाददाता

भायंदर. कहते हैं लालच बुरी बला होती है.शॉर्टकट पैसा बनाने की लालच ने एक दोस्त को जेल पहुंचा दिया.दोस्त की कार से घायल हुए मोटरसाइकिल सवार के कोमा में चले जाने का डर दिखाकर तकरीबन ४८ लाख रुपया ऐंठ लिया.उसकी लालच यहीं खत्म नहीं हुई और फिर उसने ५ करोड रुपए की मांग कर दी.और इसी लालच ने उसे हवालात पहुँचा दिया . पीआई संदीप कदम ने बताया कि आरोपी का नाम प्रशांत सभानंद सवनेकर है और वह नांदेड. में तरोडा इलाके के शिवराय नगर का रहने वाला है.उसका खुद का व्यवसाय है. काशीमीरा में रहने वाले इंजीनियर सत्यप्रकाश पुरूषोत्तम आर्य दिसंबर में सपरिवार देवदर्शन के लिए जूनागढ,गुजरात गए थे.वहां उनकी कार की ठोकर से एक मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया. यह बात उन्होंने नांदेड.में रहने वाले अपने दोस्त आरोपी प्रशांत से साझा किया. सत्यप्रकाश संपन्न हैं,इस बात से आरोपी भली-भांति वाकिफ था.उसने उनसे मोटी रकम निकालने का तरकीब लगाया. उन्हें फोन कर बताया कि दुर्घटना में घायल मोटरसाइकिल सवार कोमा में चला गया है.केस को रफा-दफा करने के लिए उसने कई बार में ४७,९९,५०१ रुपया ऑनलाइन मंगा लिया. लेकिन पैसे की भूख उसकी यहीं खत्म नहीं हुई. उसने बडी रकम निकालने का मन बना लिया.उसने अपने दोस्त को डराया की जख्मी की मौत हो गई है.केस को रफा-दफा करने के लिए वह ४ करोड.रुपया दे दिया है.अभी और एक करोड. देना है. इस पर सत्यप्रकाश को संशय हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत कर दी.

रिटायर हुई जर्सी□

आईपीएल का १६वां सीजन ३१ मार्च से शुरू हो रहा है। उससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) ने एक बड़ा फैसला लिया है। आरसीबी ने अपनी टीम की जर्सी नंबर-१७ और ३३३ को हमेशा के लिए रिटायर कर दिया है। यानी अब कोई भी आरसीबी प्लेयर इन दोनों नंबर की जर्सी नहीं पहन पाएगा। ये दोनों जर्सी नंबर आरसीबी के दो लीजेंड बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल से ताल्लुक रखते हैं

और इन्हीं दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के सम्मान में इएँ ने इन दोनों जर्सी नंबर को रिटायर करने का फैसला लिया है। एबी डिविलियर्स आरसीबी के लिए १७ नंबर की जर्सी पहनते थे, वहीं क्रिस गेल ३३३ नंबर की जर्सी पहनकर आरसीबी के लिए मैदान में उतरते थे। ये दोनों खिलाड़ी अब आरसीबी को अलविदा कह चुके हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने आरसीबी के लिए ताबड़तोड़ अंदाज में ढेर सारे रन बनाए हैं। इनकी बदौलत टीम ने कई मैच भी जीते हैं। ऐसे में आरसीबी इन दोनों बल्लेबाजों को अपने हाल ऑफ फेम में शामिल करने जा रही है और इसीलिए इन दोनों दिग्गजों के सम्मान में इनके जर्सी नंबर भी रिटायर कर दिए जाएंगे। एबी डिविलियर्स ने आरसीबी के लिए ११ आईपीएल सीजन खेले हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए १५७ मैचों में ४,५२२ रन बनाए हैं। इस दौरान इस दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने ३७ फिफ्टी और दो सेंचुरी भी बनाई। आरसीबी के लिए उनका बल्लेबाजी औसत ४१.१० और स्ट्राइक रेट १५८.३३ रहा। क्रिस गेल का भी आरसीबी के साथ लंबा नाता रहा। उन्होंने इस प्रैंचाइजी के लिए सात सीजन में ९१ मैच खेले और ४३.२९ के लाजवाब बल्लेबाजी औसत और १५४.४० के स्ट्राइक रेट से ३,४२० रन बनाए।

केन ने की विराट की बराबरी

न्यूजीलैंड के कप्तान और विश्व के शानदार बल्लेबाजों में से एक केन विलियमसन ने विराट कोहली के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दरअसल, श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान उन्होंने ये कारनामा किया है। बता दें कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में विराट कोहली ने अपने करियर का २८वां शतक लगाया था। अब केन विलियमसन ने भी उनके इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है और अपने टेस्ट करियर का २८वां शतक जड़ दिया है। कीवी कप्तान ने श्रीलंका के खिलाफ २१५ रन की बेहतरीन पारी खेलकर ये कारनामा किया है। साथ ही खास बात ये है कि ये उनके करियर का छठा दोहरा शतक है, वहीं न्यूजीलैंड की तरफ से एक या एक से ज्यादा बार शतकों की हैट्रिक लगाने वाले वे पहले बल्लेबाज बने हैं। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच २ टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहले मैच में न्यूजीलैंड ने आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत दर्ज की थी जिसमें विलियमसन ने शतकीय पारी खेली थी। इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट में भी शतक लगाया था। कीवी कप्तान ने इसी के साथ टेस्ट क्रिकेट में ८,००० रन भी पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वे न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बने हैं। अब लंकाई टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाकर उन्होंने शतकों की हैट्रिक जमा दी है।

मुंबई के डॉक्टरों का कारनामा...

पृष्ठ १ का शेष

ने राज्य के चिकित्सा शिक्षा सचिव को शिकायत भेजी थी, जिसके बाद २०१९ में जांच हुई। महाजन ने अपने लिखित जवाब में कहा कि जे जे ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के ११ विभागों के प्रमुखों से जवाब मांगा गया है। उनके जवाब के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि जीएमसी के ३२ विभागों की जांच की गई और ११ विभागों के नाम पर अनाधिकृत खाते पाए गए। खाता खोलने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी, जिसकी अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुखों ने खातों को खोला और संचालित किया। उन्होंने कहा कि खातों में ६ करोड.रुपये की राशि जमा की गई। इसमें से २.७ करोड.रुपये खर्च किए जा चुके हैं। महाजन ने कहा कि जमा पैसों में डॉक्टर की फीस, प्राइवेट दवा कंपनियों से एजुकेशन ग्रांट और स्पॉन्सरशिप शामिल थे। उन्होंने कहा कि पैसे का इस्तेमाल विदेश यात्राओं और टैब खरीदने के लिए किया गया था। खरीद बिना अनुमति या टेंडरिंग के की गई थी, जो कि नियम है। उन्होंने कहा कि जो ३.२ करोड.रुपये बचे हैं, उन्हें राज्य के खजाने में भेजा जाएगा। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सुनील प्रभु ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागाध्यक्षों और अन्य डॉक्टरों ने विभाग के नाम से अनाधिकृत खाते खुलवाकर कमीशन के साथ-साथ प्राइवेट प्रैक्टिस से मिली फीस भी जमा करा दिया है। १३ अगस्त, २०२१ को चिकित्सा शिक्षा निदेशक ने एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें कहा गया था कि ३० दिनों में जांच की जानी चाहिए। उन्होंने पूछा कि इसके बाद क्यों कुछ नहीं किया गया है? क्या प्रशासन दोषियों को बचा रहा है।

सरकार मदद की जगह दे रही है धमकी! बेजा ट्वीट से भड़के लोग

मुंबई : मालाड अप्पा पाड़ा में झुग्गी बस्तियों में लगी आग से लगभग १२ हजार से अधिक लोगों की छत गायब हो गई है। अनाज के दाने के लिए थाली लेकर कतारों में खड़े लोगों की वेदना पीड़ादायी है। उनके पास सोने के लिए बिस्तर भी नहीं बचे हैं। खुले आसमान में बिना चद्दर के रात बिताने वाले लोगों की आंखों में इस समय सिर्फ आंसू ही हैं। इन आंसुओं को पोंछने के बजाय मौजूदा सरकार उन्हें सहयोग करनेवाले वन विभाग के अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कर रही है। ऐसा दावा स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर एक मैसेज को दिखाते हुए किया। जिस पर लिखा गया है कि वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण रोकने में असक्षम अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। मिंधे सरकार के इस ट्वीट

को लेकर लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि सरकार हमारी मदद की बजाय हमारी मदद करनेवाले अधिकारियों को धमका रही है। अप्पा पाड़ा में अग्नि कांड में अपना घर खो चुके अमित मिश्रा सहित अन्य लोगों ने साफ कहा कि जब यहां १२ हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। ऐसे समय में इस निर्दयी सरकार के मुख्यमंत्री का यह कृत्य साफ-साफ नासमझी जाहिर करता है। वहीं धीरज ने कहा कि सरकार की तरफ से अब तक न तो कोई नुमाइंदा आया, न ही कोई अधिकारी और न ही कोई मंत्री आया। लोगों को सरकार ने उनकी हालत पर मरने के लिए छोड़ दिया है और ऊपर से ऐसे ट्वीट कर हमारे घाव को कुरेद रही है। यदि सरकार का रवैया ऐसे ही अड़ियल रहा तो हम सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

पुलिस द्वारा वकील की पिटाई से भड़के कानून के रक्षक! वकीलों ने काली पट्टी लगाकर किया प्रदर्शन

मुंबई : मुंबई पुलिस के एक अधिकारी द्वारा बोरीवली कोर्ट के एक अधिवक्ता की पिटाई के विरोध में कल मुंबई की सभी अदालतों में काम बंद आंदोलन किया गया। पुलिस के खिलाफ बोरीवली, अंधेरी, किला कोर्ट, मुंबई के सभी कोर्ट में वकीलों ने प्रदर्शन किया और अदालत का काम काज चलने नहीं दिया। मिली जानकारी के मुताबिक कांदिवली पुलिस थाने के एपीआई हेमंत गीते ने बेवजह बोरीवली कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य पृथ्वीराज झाला की पिटाई की थी। इस मुद्दे को लेकर एडवोकेट स्माल कोर्ट एसोसिएशन मुंबई के सचिव मुस्तफा सब्बीर समीम ने सभी बार एसोसिएशन से काला फीता लगाकर काम रोको आंदोलन की अपील की थी। इस अपील के बाद कल सभी कोर्ट में प्रदर्शन किया गया। पुलिस प्रशासन

के खिलाफ नारा लगाते हुए अंधेरी कोर्ट में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। अंधेरी बार ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप शेट्टी, सचिव राजेश पांडे के नेतृवत मे शांति पूर्ण आंदोलन किया गया। एडवोकेट उमेश चंद तिवारी ने बताया की पुलिस के जिस अधिकारी ने वकील से हाथा-पाई की है, उसके खिळाफ आपराधिक मामला दर्ज होना चाहिए। जबकि अश्विन यादव और एडवोकेट सोनी तिवारी, एस. एन. पांडे ने हेमंत गीते की सर्विस के दौरान हुए करप्शन के जांच की मांग की है। उक्त मांगों को लेकर कल वकीलों ने पूरा दिन काम बंद आंदोलन किया, ऐसी जानकारी अंधेरी बार एसोसिएशन के पूर्व पदाधिकारी एडवोकेट संदीप दुबे ने दी।

मनपा के बजट से जनता को मिली राहत

पृष्ठ १ का शेष

बजट की मुख्य बातें

घनकचरा प्रबंधन पर १३१.१० करोड.रुपये, अस्पताल/दवाखाना ३०.८५ करोड.रुपये, कर्ज की किस्त पर ७५ करोड.रुपये, जलापूर्ति, जल- मल नि:सारण पर ४३३.१० करोड.रुपये, लोकनिर्माण विकास कार्य पर ६०२.९० करोड.रुपये, नगर सेवक/प्रभाग निधि पर २० करोड.रुपये, शिक्षण पर ४८.०३ करोड.रुपये, निर्वाचन प्रक्रिया पर १२ करोड.रुपये

डंपिंग ग्राउंड कचरा मुक्त करने का लक्ष्य, मनपा विद्यालयों की सभी कक्षाएं होंगी डिजिटल, दिव्यांगों के लिए फिजियोथैरेपी सेंटर, डेढ़-दो साल में वर्ष २०५५ तक २४ घंटा पानी का दावा, क्रीडा संकुल के तहत रनिंग ट्रेक, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण सेवा, शुद्ध हवा पर जोर, खराब हवा को शुद्ध करने पर भी बजट में जोर दिया गया है.इसके लिए डस्ट कंट्रोल मशीन,मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन लगाई जाएंगी.विविध स्थानों पर हरित पट्टी,ई-बस,इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाये जायेंगे.

नगरसेवक निधि में कटौती

बिना टैक्स बढाएं बजट को संतुलित बनाने के लिए कुछ मदों पर खर्च में हल्की-फुल्की कटौती भी की है.इसी क्रम में नगरसेवक निधि/ प्रभाग निधि घटा दी है.इस मद के लिए २० करोड.रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है.जबकि पहले बजट में ३० करोड.रुपये का प्रावधान किया गया था.

शिक्षा-स्वास्थ्य पर परंपरागत खर्च

शिक्षा व स्वास्थ्य पर खर्च परंपरागत रखा गया है.दोनों पर कुल बजट का क्रमश: २.२१% व १.४२% रकम रखी गई है.प्रशासक दिलीप ढोले ने इसे मापदंड के अनुरूप बताया.

MIRA BHAINDAR MUNICIPAL CORPORATION
Public Works Department
Indira Gandhi Bhavan, Chatrapati Shivaji Maharaj Marge,
Bhaindar (W) 401101, Tal. Dist. Thane, 28192828

No. MNP/PWD/Tender/1103/2022-23 Date - 15/03/2023

// Tender Notice No.1103 //

Mira - Bhaindar Municipal Corporation Public Works Department Online Tenders are being invited for Various Development Works in Government / Semi Government / Public Sector Organizations and Activities / Local Self Government Etc. Against the Contractor. Proceedings for Cancellation of Registration Pursuant to disciplinary Proceedings have been / are in progress. Such Contractors cannot participate in the tender process. Tender Notice and Tender Form on the website https://mahatenders.gov.in from **17/03/2023 to 23/03/2023 till 12.00 pm.** Tender Form Fee and EMD Should be submitted through online Receipt System, failing which the tender will be disqualified. There is no any concession to qualified unemployed Engineer for EMD / Security deposit.

The last date for submission of tenders completed in all respects on **24/03/2023 up to 12.00 pm** on the above mentioned website, Mira Bhayandar Municipal Corporation. The tenders shall be opened in the presence /Absense of the bidders or their representatives on **27/03/2022 at 12.30 pm** at the tender scell of Mira Bhainder Municipal corporation.

sd/-
Executive Engineer (PWD)
Mira Bhayandar Municipal Corporation

Ref. MBMC/PRO/654/2022-23
Date : 15/03/2023
Place : Bhaindar

नागिन का नाटू नाटू!

हाल ही में संपन्न हुए ऑस्कर अवॉर्ड फंक्शन में फिल्म आरआरआर के लोकप्रिय गीत नाटू नाटू की धूम ने सभी हिंदुस्थानियों को खुशी से नाचने का मौका दे दिया। नाटू नाटू को मिले ऑस्कर अवॉर्ड का असर अब बॉलीवुड पर भी दिखने लगा है। लोगों पर चढ़ी नाटू नाटू की खुमारी के बीच अपने बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में बनी रहनेवाली नागिन फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने बिकिनी अवतार से फैंस की नींद उड़ाने का प्रयास करती नजर आईं। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे एक वीडियो में मौनी रॉय ब्रालेट पहनकर सड़क पर नाचती नजर आती हैं। मियामी बीच वेकेशन एन्जॉय करने के दौरान बनाए गए मौनी के वीडियो पर बवाल मच गया। बिकिनी पहने मौनी समंदर की लहरों के साथ मस्ती करती दिखी थीं। मौनी रॉय के वीडियो की दिशा पाटनी ने तो तारीफ की है लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को उनकी बोल्डनेस पसंद नहीं आई। फैंस उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लोग भारतीय सभ्यता और संस्कृति के नाम पर कमेंट्स करके मौनी की क्लास ले रहे हैं।

सारा की निकल पड़ी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सारा अली खान जल्द ही एक्टर विक्रांत मैसी और एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह के साथ गैसलाइट में नजर आनेवाली हैं। उनकी यह मूवी इसी महीने के अंत में यानी ३१ मार्च को रिलीज होनेवाली है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। लेकिन सारा के लिए खुशखबरी ये है कि गैसलाइट की रिलीज से पहले ही उनके हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट आ गया है। दरअसल, सारा अली खान जल्द ही गुंजन सक्सेना के डायरेक्टर शरण शर्मा की अपकमिंग मूवी में नजर आ सकती हैं। फिल्म को लेकर फॉर्मेलिटी भी सारी पूरी कर ली गई है और माना जा रहा है कि इसकी शूटिंग भी जल्द ही शुरू हो सकती है। हालांकि, अभी तक सारा अली खान की इस मूवी का नाम सामने नहीं आया है।

काजोल का कार नामा!

काजोल की एक्टिंग का हर कोई दीवाना है। कॉमेडी, इमोशन से लेकर रोमांस तक में काजोल की अदाकारी का कोई मुकाबला नहीं है। उनके फैंस उन्हें हर किरदार में पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप इस बात पर यकीन करेंगे कि पर्दे पर धांसू एक्टिंग से लोगों को अपना मुरीद बनानेवालीं काजोल सोने में भी एकदम एक्सपर्ट हैं। चाहें थमी हुई जगह हो या सड़क पर सरपट भागती कार। काजोल की नींद को कोई डिस्टर्ब नहीं कर सकता। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में लाल जैकेट पहने और शेड्स लगाए हुए काजोल बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। पहली नजर में लग सकता है कि वो बहुत आराम से ड्राइव का मजा ले रही हैं। लेकिन उनके वैंप्शन को पढ़कर ये अंदाजा होता है कि वो चैन की नींद सो रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए काजोल ने लिखा है कि ये काम बिना किसी सुपरविजन के न करें। आगे वो लिखती हैं कि लॉन्ग ड्राइव के दौरान चैन से सोने की प्रैक्टिस करने में सालों लग जाते हैं। वो भी बिना किसी और पर अपने सिर को झुकाए। काजोल के इस वीडियो पर फैंस भी मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।

ऑनस्क्रीन बेटी बनेंगी मम्मी!

अजय देवगन के साथ फिल्म दृश्यम में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी का किरदार निभाकर एक्टिंग का हुनर दिखा चुकीं एक्ट्रेस इशिता दत्ता की खुशी इन दिनों सातवें आसमान पर है। दरअसल, एक्ट्रेस बहुत जल्द मां बननेवाली हैं। ये खबर तब सामने आई जब एक्ट्रेस हाल ही में पैपराजी के सामने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखाई दीं। एक्ट्रेस का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि इशिता ने ब्राउन रंग की ड्रेस पहनी है, जिसमें वे बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वीडियो में इशिता पैपराजी को जमकर पोज दे रही हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने अभी तक अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं किया है। लेकिन पैपराजी के वैंमरे में वैंद इशिता को देखकर पैंस को आखिरकार यह खुशखबरी मिल गई है और लोग उन्हें कमेंट करके ढेरों बधाइयां दे रहे हैं।

मिल-जुलकर काम करें

भूमि पेडणेकर का मानना है कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर युवाओं का आगे आना जरूरी है। उन्होंने कहा, ३हम सभी को साथ आना है और हम सभी को इस पर मिल-जुलकर काम करना चाहिए क्योंकि ईमानदारी से कहें तो हमारे पास कोई दूसरा ग्रह नहीं है। एक्ट्रेस का मानना है कि पर्यावरण की रक्षा करना उनके जीवन का मिशन बन गया है। उनका कहना है कि हम सभी को इस ग्रह को बचाने के लिए साथ आकर इस गंभीर मुद्दे पर काम करना बेहद जरूरी है।

कुछ स्टेशनों पर लंबी दूरी की ट्रेनों के बंद

जेकेएस संवाददाता

मुंबई: पश्चिम रेलवे पर जल्द ही लंबी दूरी की ट्रेनों के हॉल्ट पर पुर्नर्विचार किया जाएगा। इसके लिए पायलट प्रॉजेक्ट तैयार किया जाएगा। पिछले कुछ सालों में विद्युतिकरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर के काम होने से ट्रेनों की स्पीड बढी है। इस बदलाव के बाद ट्रेनों के हॉल्ट की सुधार प्रक्रिया होनी है। यदि दो पडाव में कम दूरी है, तो उनमें से एक को रद्द किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि पायलट प्रॉजेक्ट के तहत ५-६ ट्रेनों को पहले चुना गया है, जो मुंबई से दिल्ली और गुजरात के बीच ऑपरेट होती हैं। ये ट्रेनें बांद्रा टर्मिनस या मुंबई सेंट्रल से रवाना होती हैं और बोरीवली में इनका पडाव होता है। इस तरह की ट्रेनों के हॉल्ट को दादर, अंधेरी, बोरीवली, वसई और बोईसर या पालघर के बीच बांटा जाएगा। अधिकारी ने बताया कि उत्तर मुंबई की ओर लोगों का पलायन हुआ है और लंबी दूरी की ट्रेनों में सबसे ज्यादा ट्रेनों में बोर्ड या डीबोर्ड वहीं से होते हैं। बोरीवली स्टेशन लोकल ट्रेनों के लिए बडा टर्मिनस बना है, लेकिन लंबी दूरी की लगभग सभी ट्रेनें यहां हॉल्ट करने के कारण परेशानियां हो रहीं हैं। पायलट प्रॉजेक्ट में चुनिंदा ट्रेनों का हॉल्ट बोरीवली से हटाकर अंधेरी या वसई किया जाएगा। पीक ऑवर्स में लंबी दूरी की ट्रेनों के ऑपरेशन के कारण प्लैटफॉर्म पर खडे. रहने के लिए जगह नहीं होती है। बोरीवली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत ज्यादा असर पडा है। इन ट्रेनों के पडाव में बदलाव करने से बहुत लाभ होगा। मुंबई सेंट्रल से बेहद कम लोग ट्रेनों में सवार होते हैं, ऐसे में दादर स्टेशन से ट्रेन ऑपरेट होने पर लाभ मिलेगा। कुछ ट्रेनों का पडाव अंधेरी करने से सांताक्रुज और विलेपार्ले में रहने वाले लोगों को लाभ होगा। भाईंदर में लंबे समय से राजस्थान की ट्रेनों को पडाव देने की मांग हो रही है। ऐसे में, यदि वसई भी पडाव दिया जाए, तो विरार, भाईंदर में रहने वाले लोगों को लाभ हो सकता है। बांद्रा और दादर की तरह वसई और जोगेश्वरी में दो नए टर्मिनस बनाने की तैयारी हो रही है। मॉनसून से पहले इस काम के लिए टेंडर निकाले जाएंगे। जोगेश्वरी में नया टर्मिनस जून २०२४ तक तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए करीब ६९ करोड.रुपये खर्च होंगे और यहां २४ कोच की ट्रेन को टर्मिनेट करने की व्यवस्था होगी। सूत्रों के अनुसार शुरुआत में इस टर्मिनस के करीब १०-१२ ट्रेनों को ऑपरेट करने की योजना है। ज्यादातर ट्रेनों को मुंबई सेंट्रल से शिफ्ट करने की तैयारी है। पश्चिम उपनगरों में रहने वाले लोगों को इस टर्मिनस से बडी राहत मिलेगी। रेलवे की योजना के अनुसार ६०० मीटर लंबे और १२ मीटर चौडे.प्लैटफॉर्म बनाए जाएंगे। ट्रैक के दोनों ओर ये प्लैटफॉर्म होंगे। ट्रेन टर्मिनेट होने के बाद दोनों ओर से यात्री दोनों छोर के प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां से ट्रेनों को बोरीवली की ओर प्रस्तावित पांचवी-छठी लाइन से कनेक्ट किया जाएगा। वर्तमान में जोगेश्वरी से कुछ मालगाडिय़ों में सीमेंट अपलोड होती है। वसई में टर्मिनस के काम को शुरू करने के लिए कुछ वक्त लगेगा।

MIRA BHAINDAR MUNICIPAL CORPORATION
Public Works Department
Indira Gandhi Bhavan, Chatrapati Shivaji Maharaj Marge,
Bhaindar (W) 401101, Tal. Dist. Thane, 28192828

No. MNP/PWD/Tender/1107/2022-23 Date - 17/03/2023

// Tender Notice No.1107 //

Mira – Bhaindar Municipal Corporation Public Works Department Online Tenders are being invited for Various Development Works in Government / Semi Government / Public Sector Organizations and Activities / Local Self Government Etc. Against the Contractor. Proceedings for Cancellation of Registration Pursuant to disciplinary Proceedings have been / are in progress. Such Contractors cannot participate in the tender process. Tender Notice and Tender Form on the website https://mahatenders.gov.in from **21/03/2023 to 27/03/2023 till 12.00 pm.** Tender Form Fee and EMD Should be submitted through online Receipt System. failing which the tender will be disqualified. There is no any concession to qualified unemployed Engineer for EMD / Security deposit.

The last date for submission of tenders completed in all respects on **28/03/2023 up to 12.00 pm** on the above mentioned website, Mira Bhayandar Municipal Corporation. The tenders shall be opened in the presence /Absense of the bidders or their representatives on **31/03/2023 at 12.30 pm** at the tender scell of Mira Bhainder Municipal corporation.

sd/-
Executive Engineer (PWD)
Mira Bhayandar Municipal Corporation

Ref. MBMC/PRO/665/2022-23
Date : 17/03/2023
Place : Bhaindar

महाराष्ट्र बजट २०२३ पर निकाय चुनाव की छाया

मुंबई : विधानमंडल में राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पेश किया गया वार्षिक बजट एमएमआर के लिए अच्छे दिन की शुरुआत वाला माना जा रहा है। मुंबई के आसपास ठाणे, पालघर जिले के उपनगरों में संसाधनों के विकास के लिए राज्य सरकार ने अपने नए बजट में कई घोषणाएं की है। इनमें नई मेट्रो लाइन, जल यातायात से लेकर सड़कों, सुरंगों और जलापूर्ति जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल की गईं हैं। बजट में सीएम एकनाथ शिंदे के गढ़ एमएमआर में इंफ्रा प्रोजेक्ट्स की बौछार की गई है। एमएमआर में अवागमन की समस्या से निजात दिलाने वाले विरार-अलीबाग बहुउद्देशीय राजमार्ग परियोजना का काम २०२३ में शुरू करने का फैसला सरकार ने लिया है। इसकी घोषणा भी वित्तमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट के दौरान कर दी है। अलीबाग से विरार तक १२७ किमी मल्टी-मॉडल कॉरिडोर की योजना एक दशक पहले ही बनी थी। यह कॉरिडोर पालघर, ठाणे और रायगढ़ इन तीन जिलों के एमएमआर इलाकों से होकर गुजरेगा। इस बनाने का जिम्मा एमएसआरडीसी को दिया गया है। इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण के लिए २२ हजार करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे। जिसमें से पालघर में ६१.२९ हेक्टेयर, ठाणे में ५२०.९२ हेक्टेयर, जबकि रायगढ.में लगभग ७६५.०१ हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण होगा। मई तक भूमि अधिग्रहण पूरा करने की योजना हैं। राज्य सरकार के इस लोकलुभावन बजट में जिस तरह मुंबई और उपनगरों में संसाधनों के विकास को लक्ष्य बनाया गया है,उससे साफ जाहिर होता है कि आने वाले बीएमसी, टीएमसी सहित अन्य नगरनिगम चुनाव पर शिंदे-फडणवीस सरकार ने ध्यान केंद्रित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ठाणे और पालघर जिलों में ६ नगरनिगम हैं। वसई-विरार को छोड़ दिया जाए तो बाकी पांच पर कब्जे का पूरा प्रयास शिंदे-फडणवीस सरकार करने वाली है। उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बजट में इन नगरनिगम चुनाव की छाया साफ नजर आ रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ माने जाने वाले एमएमआर में एममएमआरडीए के माध्यम से लगभग १८,००० करोड.रुपए की विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें कल्याण, ठाणे, नवी मुंबई और पालघर में सडक़ों, क्रिक ब्रिज, फ्लाईओवर, नई मेट्रो परियोजनाओं के काम शामिल हैं। ठाणे से भिवंडी मेट्रो को आगे कल्याण और उल्हासनगर तक जोड़ने की योजना बनी है। इसके साथ कल्याण से तलोजा मेट्रो की निविदा भी जारी कर दी गई है। ठाणे कोस्टल रोड, इंटरनल मेट्रो, शिलफाटा से मनकोली तक ९ किमी सडक़ का निर्माण, पालघर में मोरवे सातपाटी ब्रिज, दहिसर से महापे तक नई सुरंग, दहिसर से मुरबाड रोड,-टिटवाला से बदलापुर रोड का चौडीकरण, वसई से पालघर तक क्रीक पर डबल डेक ब्रिज आदि योजनाओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। जिस तरह बजट में सुविधा संशाधनों के लिए घोषणाओं की बरसात की गई है, उससे साफ जाहिर हो रहा है कि आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पहले नगर निगमों के चुनावी मिशन पर शिंदे-फडणवीस सरकार लग गई है। उल्लेखनीय है कि मुंबई सहित ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण इन सभी नगर निगम पर प्रशासक हैं जो सीधे राज्य सरकार के निर्देश पर कार्य कर रहे हैं। बजट के माध्यम से सरकार की घोषणाओं पर अमल भी आसानी से हो सकेगा।

होली मिलन समारोह में रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुती

जेकेएस संवाददाता

मुंबई :एलआर तिवारी इंजीनियरिंग कॉलेज में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जहां हर्षोल्लास के साथ फूलों से होली खेली गई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष कृपाशंकर सिंह, स्थानीय विधायक गीता जैन. अमरजीत मिश्र, कार्यक्रम के आयोजक राहुल एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन पं. लल्लन तिवारी, डॉ. राधेश्याम तिवारी, एड. अखिलेश चौबे, आनंद दुबे, शैलेश पांडेय आदि उपस्थित थे. इस दौरान राजदेव तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक मनोज दुबे, मदन सिंह, सुरेश गुरु ओझा, पत्रकार अरुण उपाध्याय, चंद्रकांत दुबे, प्रकाश लिमये, अनिल नौटियाल के साथ विभिन्नक्षेत्रों के लोग मौजूद रहे. मंच संचालन बृजेश तिवारी और राजकुमार मिश्र ने किया.

मिरा भाईंदर में हिंदू जनआक्रोश का मोर्चा

मीरा-भाईंदर : मीरा-भाईंदर में रविवार को सकल हिंदू समाज ने लव जिहाद, लैंड जिहाद और धर्मांतरण के विरुद्ध हिंदू जन आक्रोश मोर्चा निकाला। मोर्चे में बीजेपी विधायक नितेश राणे, पूर्व वीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता, वीजेपी जिलाध्यक्ष रवि व्यास सहित दर्जनों पूर्व नगरसेवक भी शामिल हुए। काजल हिंदुस्तानी मुख्य रूप से मोर्चे में शामिल हुई थीं। गोल्डन नेस्ट सर्किल से शुरू होकर यह मोर्चा एस. के. स्टोन पर खत्म हुआ। इसके वाद मैदान में प्रमुख वक्ताओं ने लव जिहाद और लैंड जिहाद और धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने की हिंदूवादी नेता काजल हिंदुस्तानी ने कहा कि बॉलिवुड हिंदू लडकियों को विगाड रहा है। इसके लिए उन्होंने निर्माता एकता कपूर को भी जिम्मेदार ठहराया। नरेंद्र मेहता ने कहा कि सरकार को जनभावनाओं का खयाल रखते हुए इस दिशा में पहल करनी चाहिए। गीता जैन ने कहा कि धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

रिश्ते को किया शर्मसार, बेटी ने किया मां का कत्ल

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : लालबाग में अपनी ही मां की हत्या करने के आरोप में बेटी को काला चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शव पर मल्टीपल इंजरी के निशान मिले हैं। बेटी ने पुलिस को दिए बयान में बताया है कि मां की गिरने से मौत हो गई थी। डर के मारे उसने शरीर को काटकर टुकड़े बॉक्स में पैक कर दिए थे। बता दें कि काला चौकी पुलिस को ५ ३ वर्षीया वीणा जैन नामक महिला की गुमशुदगी की शिकायत मिली थी। पुलिस तलाशी के लिए उनके घर पहुंची, तो वीणा की सड़ी-गली लाश एक प्लास्टिक बैग में मिली। पुलिस ने वीणा की २ २ वर्षीया बेटी रिंपल को पहले हिरासत में लिया था। बाद में उससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने रिकी नामक युवक को लखनऊ से हिरासत में लिया। रिंपल ने पुलिस को पहले बताया कि वीणा गिर गई थी, जिसके बाद घर में उसकी मौत हो गई थी लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में वीणा के शरीर पर मल्टीपल इंजरी के निशान मिलने से पुलिस को विश्वास हो गया कि वीणा की मौत मारने से हुई है। लेकिन रिंपल शव के टुकड़े अकेले नहीं कर सकती। रिकी ने उसकी मदद की होगी। लिहाजा, पुलिस ने वीणा की हत्या के आरोप में बेटी रिंपल जैन और रिकी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को घर में एक बॉक्स भी मिला है, जिसमें दस्ताने मिले हैं, जिसका इस्तेमाल बॉडी के टुकड़े करते समय किया गया है।

भक्तों का जनसैलाब बाबा बागेश्वर धाम के दरबार में

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मुंबई से सटे मीरा रोड में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री यानी बाबा बागेश्वर धाम के दो दिवसीय प्रवचन आयोजन कार्यक्रम को देखते हुए मीरा-भाईंदर पुलिस के साथ-साथ मुंबई पुलिस भी सतर्कता बरत रही है। सूत्र बताते हैं कि इस आयोजन को लेकर मीरा रोड के अलावा मुंबई से कनेक्टेड सडक़ों पर भी इसका असर दिखाई दिया। इनमें दहिसर चेक नाका प्रमुख है, जहां शनिवार को यातायात व्यवस्था धीमी रहीं। दो पहिया, चार पहिया एवं निजी वाहनों और सार्वजनिक वाहनों से लोग मीरा रोड

की ओर प्रस्थान करते हुए दिखाई दिए। इसके अलावा विभिन्न सड़कों से होकर पैदल यात्री भी मीरा रोड की तरफ जाते हुए दिखें। अधिकतर लोग चेक नाका से होते हुए मीरा रोड की तरफ जा रहे थे, जिसके कारण शनिवार को दहिसर चेक नाका के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित रही। वाहनों की गति धीमी रहीं, लोग ट्रैफिक जाम में फंसे हुए दिखाई दिए। वाहन चालक आसानी से मुंबई से आवागमन कर सके, इसके लिए मुंबई और मीरा रोड को कनेक्ट करने वाले विभिन्न मार्गों पर पुलिस के साथ सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी रखी जा रही हैं। बता दें कि मीरा रोड में बागेश्वर धाम सरकार के दो दिवसीय प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसको देखते हुए बीजेपी और कांग्रेस सरकार भी आमने-सामने हैं। राजनीतिक बयानबाजी जारी है। राजनीतिक दलों ने दरबार नहीं होने देने की धमकी मिलने को देखते हुए प्रशासन ने भी कमर कस ली है। आयोजकों के अलावा गैरकानूनी हरकत करने वालों से निपटने की तैयारी पुलिस ने कर रखी है। कडी सुरक्षा-व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के दौरान ३ डीसीपी, ४ एसीपी और १०० से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। ट्रैफिक मूवमेंट बढ़ने के कारण डीसीपी स्तर के अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। आचार्य शास्त्री ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की। उन्होंने कहा हिंदू राष्ट्र ने उनका तात्पर्य सभी सनातन धर्मियों को एक मंच पर लाना है। इसमें अन्य धर्म के लोगों की भी जगह होगी। उन्होंने अपने विरोधियों को अपने अंदाज में ठठरी बांधने को कहा। भीड़ में सैकड़ों की संख्या में लोग हिंदू राष्ट्र के पोस्टर लेकर बैठे थे। कार्यक्रम को लेकर शुरू से कई राजनीतिक दलों और अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने विरोध जताया था। कार्यक्रम शुरू होने से पहले पुलिस ने आयोजकों को नोटिस दिया था।

जनता को मिली सौगात फडणवीस के पहले बजट में यातायात की होगी सुविधा

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : विधानमंडल में राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने पहले बजट में शहरी इंफ्रा पर जोर देते हुए मुंबई एमएमआर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की पहल की है। इसके तहत उन्होंने गायमुख से मीरा रोड के बीच मेट्रो-१० नामक नए मेट्रो परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। इससे घोड़बंदर रोड के वासियों के आलावा मीरा रोड सहित और भायंदर के साथ बोरीवली सहित वेस्टर्न क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की यात्रा आसान और जाम मुक्त हो जाएगा। गौरतलब हो कि ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घोड़बंदर रोड परिसर का तेजी से विकास हुआ। लेकिन इस शहरीकरण के अनुपात में इंफ्रा प्रोजेक्ट की व्यवस्था सुचारु रूप से नहीं होने के कारण आए दिन यहाँ के लोगों को यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। सडक़ पूर्वी और पश्चिमी एक्सप्रेस राजमार्गों के माध्यम से ठाणे और मुंबई को जोडऩे वाला एक प्रमुख राजमार्ग है। यह गुजरात की ओर भी जाता है, इस प्रकार बहुत अधिक यातायात देखता है, विशेष रूप से भारी वाहनों के आवागमन से रात के समय यह जाम की समय और भी गंभीर हो जाती है। ठाणे से मीरा रोड, भायंदर को जोड़ने के लिए घोड़बंदर रोड के किनारे रहने वाले या इस २५ किमी के रास्ते से आने-जाने वाले हर निवासी की कहानी कमोबेश एक जैसी रहती है। प्रतिदिन भोर होते ही मीरा रोड स्थित फाउंटेन होटल से लेकर ठाणे के कपूरबावडी तक पूरा इलाका दोनों तरफ जाम लग जाता है। सामान्य ४०-४५ मिनट के आवागमन के लिए, मोटर चालकों को १ छ से दो घंटे तक समय दुरी तय करने में लग जाता है। लेकिन अब सालकन आर्थिक बजट में वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा मुंबई एमएमआर में नए मेट्रो प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की। इनमें मुंबई मेट्रो १० जो गायमुख से शिवाजी चौक मीरा रोड के शिवाजी चौक तक के परियोजना से इन क्षेत्रों के रहने वाले वाले रहिवासियों की यात्रा सुगम और आसान होने वाली है। कुल .९.२ किमी लंबी इस मेट्रो के निर्माण पर ४४७६ करोड.रुपए खर्च होंगे। वर्तमान समय में वडाला-घाटकोपर से ठाणे-कासरवडवली-गायमुख के बीच मेट्रो-४ और मेट्रो- ४अ परियोजना का काम चल रहा है। जिसका ५० फीसदी काम पूरा हो गया है। वहीं दहिसर-मीरा रोड-भायंदर के बीच मेट्रो परियोजना का काम शुरू है। जोकि प्रगति पथ पर है। ऐसे में गायमुख से मीरा रोड के बीच प्रस्तावित इस मेट्रो परियोजना के कार्यों की शुरुआत होने से यहां के नागरिकों की यात्रा आसान और यातायात जाम मुक्त हो जाएगी।

चुनाव की सीटों को लेकर भाजपा और शिंदे में गरमागरमी

मुंबई : शिवसेना के साथ गद्दारी करनेवाले शिंदे गुट को अब भाजपा का असली रंग देखने को मिला है। बीजेपी ने शिंदे गुट को अच्छी तरह से उल्लू बनाया है। मिली जानकारी के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से शिंदे गुट को सिर्फ ४८ सीटों का झुनझुना मिलनेवाला है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कुछ इसी तरह की घोषणा की है। बावनकुले ने ये घोषणा भाजपा कार्यकार्ताओं के एक कार्यक्रम में की, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद से शिंदे गुट के विधायकों में तीव्र आक्रोश फैल गया है। वे खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। उधर शिंदे गुट के विधायकों की नाराजगी की खबर आने के बाद से भाजपा नेताओं ने इस मामले पर लीपापोती शुरू कर दी है। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा २४० सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शिंदे गुट के पास ५० से ज्यादा सीटों पर लड़ने के लिए कोई नेता नहीं है, ऐसा सनसनीखेज खुलासा कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शिंदे गुट को उसकी हैसियत बता दी है। इसके

पहले भाजपा के पूर्व अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील के वक्तव्य के बाद भी भाजपा में बड़ी पंचायत हुई थी। उसके बाद बावनकुले के बयान से भाजपा सहित शिंदे गुट में खलबली मची हुई है। बता दें कि शुक्रवार को पार्टी प्रवक्ता, सोशल मीडिया और मीडिया पदाधिकारियों की कार्यशाला में बोलते हुए बावनकुले ने कहा था कि भाजपा २४० सीटों पर चुनाव लड़ेगी और निर्देश दिया कि चुनाव की तैयारी के लिए पदाधिकारी दिन-रात काम करें। बावनकुले ने यह भी कहा कि चूंकि शिंदे गुट के पास ५० से अधिक विधायक नहीं हैं, इसलिए उनके पास अधिक सीटों के लिए लड़ने वाले लोग भी नहीं हैं। उनका भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। चूंकि भाजपा २४० सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसलिए शिंदे गुट को केवल ४८ सीटें मिलेंगी। इस बात को लेकर शिंदे गुट ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से नाराजगी व्यक्त की है। शिंदे गुट का कहना था कि जब सीटों के बंटवारे पर अंतिम चर्चा ही नहीं हुई और यह मामला पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पास चला गया है, तब प्रदेश अध्यक्ष ने खुद बिना किसी वजह के फॉर्मूले की घोषणा कर दी। इस बात को लेकर शिंदे गुट ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। शिंदे गुट की नाराजगी के बाद बावनकुले ने कहा कि हमने २४० निर्वाचन क्षेत्रों में तैयारी की है, लेकिन सीट वितरण में शिंदे गुट को हमारी तैयारियों का लाभ मिलेगा। भाजपा, शिंदे गुट के साथ युति में चुनाव लड़ेगी, इसके बाद भी २८८ सीटों पर पार्टी स्तर पर चुनाव की तैयारी करने की नीति पहले ही घोषित की जा चुकी है। यह स्पष्टीकरण बावनकुले ने दिया। बावनकुले के स्पष्ठीकरण के बाद भी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनके भाषण को सोशल मीडिया से हटाने के निर्देश दिए और इसे रात में ही तत्काल हटा दिया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के बयान पर बीजेपी सहित शिंदे गुट में खलबली मची हुई है।

विक्रम प्रताप सिंह को शिवसेना का संपर्क प्रमुख बनाने पर उत्तर भारतीयों में खुशी की लहर

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : शिवसेना मुख्य नेता एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के वरिष्ठ नेता विधायक प्रताप सरनाईक अनुशंसा पर उत्तर प्रदेश शिवसेना प्रभारी की जिम्मेदारी मीरा भाईंदर विधानसभा प्रमुख पूर्व पार्षद विक्रम प्रताप सिंह को दी है। विक्रम प्रताप सिंह पिछले एक दशक से वंदनीय बालासाहेब ठाकरे के विचारो एवम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रतिनिधि के रूप में अयोध्या प्रवास समेत उत्तर प्रदेश का दौरा करते रहे है। शिंदे परिवार के बेहद करीबी विक्रम प्रताप सिंह को उत्तर प्रदेश के प्रभारी (संपर्क प्रमुख) की जिम्मेदारी मिलने से हजारों हिंदी भाषियों ने विक्रम सिंह को बधाई दी है। अयोध्या और शिवसेना को जोडऩे वाली कडी के रूप में विक्रम प्रताप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विक्रम प्रताप के इस मनोनयन से प्रवासी हिंदीभाषी लोगो मे हर्ष व्याप्त है

अविलंब न्यायालय को लेकर उठी मांग-राजकुमार मिश्र

भायंदर। महाराष्ट्र सरकार द्वारा २०१३ में प्रस्तावित न्यायालय के अधिकांशत: निर्माण कार्य पूर्ण होने पर भी आज तक मीरा भाईंदर की जनता को ठाणे जिला न्यायालय जाना पडता है । मीरा भाईंदर में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश कृष्ण मुरारी के आगमन पर प्रैक्टिसिंग एडवोकेट्स वेलफेयर एशोसिएशन के प्रेसिडेंट राजकुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में इस मुद्दे की माँग की,जिसे न्यायाधीश महोदय ने त्वरित मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए लिखित पत्र देने के लिए कहा। इस संदर्भ में आज एड राजकुमार मिश्र ने न्यायाधीश महोदय को लिखित पत्र देकर अविलंब मिरारोड में न्यायालय प्रारंभ किए जाने का ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट आन रिकॉर्ड प्रेसिडेंट मनोज कुमार मिश्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश कृष्णमुरारी ने आश्वासन दिया है कि इस दिशा में वे विशेष पहल करेंगे, ताकि इस प्रतिक्षित न्यायालय में जल्द से जल्द काम शुरू हो सके।

भीषण दुर्गंध प्रदूषण के कारण जनता परेशान

पालघर : जिले का कामकाज अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर संचालित हो रहा है। जिससे आज बोईसर और आस-पास के इलाकों में रहनेवाले लाखों लोग भीषण दुर्गंध के कारण बढ़ते प्रदूषण में जीने को मजबूर हैं। बोईसर-तारापुर एमआईडीसी में स्थित कई प्रदूषणकारी फैक्ट्रियों की वजह से पहले ही यहां लोगों का जीना मुश्किल था। अब बोईसर के करीब खैरापाड़ा ग्रामपंचायत में मुख्य मार्ग पर कचराघर की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। कचरे के ढेर में रोजाना आग लगाई जाती है, जिससे पूरा इलाका धुएं से आच्छादित हो जाता है। लोगों का आरोप है, कि यहां के अधिकारी लोगों की समस्या सुनने के बजाय उस पर पर्दा डालने में उस्ताद हैं। प्रदूषण और धुएं से आसपास के क्षेत्र में रहनेवाले लोगों के साथ-साथ पालघर-बोईसर सड़क, बोईसर-एमआईडीसी मार्ग, चिल्हार-बोईसर राजमार्ग पर चलनेवाले लाखों लोगों का दम जहरीले धुएं से घुट रहा है। उन्हें रोजाना तकलीफ उठानी पड़ रही है, जिससे उन्हें सांस संबंधी बीमारियों की समस्या से दो चार होना पड़ सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, उप संपादक मोहम्मद अहमद निसार अहमद, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9004895944 Email :newsjankalyanseva@gmail.com wwwjankalyanseva.com; Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI